

## SECTION A

① गढ़यांश -

शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्व है इस विषय पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग-दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह अपने लिए समय निकालना भूल ही गया है वह यह भूल गया है कि वह इस भाग-दौड़ का हिस्सा तब तक है, जब तक उसका शरीर स्वस्थ है जो व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखता, वह अपने लिए रोग बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जहाँ रुक और संतुलित भोजन स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु की आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर व्यायाम का भी अपना महत्व है। नियमित व्यायाम करने वाले व्यक्ति में अद्भुत शक्ति आ जाती है। उसका अपने सारे शरीर पर अधिकार हो जाता है। अस्वस्थ व्यक्ति आत्मसी दृष्टी एवं कौधी अर्थात् दुर्गुणों का भंडार होता है। इसके विपरीत स्वस्थ व्यक्ति का मुख चमकता रहता है।

② गढ़यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों को उत्तर दो-

प्र० = आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी का आदमी पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

प्र० = स्वास्थ्य का ध्यान न रखने का क्या परिणाम हो सकता है?

प्र० = शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या-क्या आवश्यकता है?

प्र०= व्याघ्र करने से व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ा है?

प्र०= गंधाश के लिए उचित शिबिक दीजिए ।

② दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र०= निकीबारियों ने बरतनो की जांच क्यों और कैसे की?

प्र०= मिट्टी अविनश्वर कैसे है?

प्र०= सभी तर्कों में कोयले का कौन सा तर्क आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है और क्यों?

प्र०= केनो को समुद्र में छोड़ने के पीछे क्या उद्देश्य था?

प्र०= घने कुदरे पर मंद मुसका रही है - का भाव स्पष्ट करें ।

प्र०= दादाजी ने ताल के बारे में क्या-क्या जानकारी दी?

③ लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०= हीरा स्वयं को कोयले का सहोदर क्यों नहीं मानना चाहता?

प्र०= अंबर और अवनी सम कैसे हो जाते हैं?

प्र०= कोयला गरीबों की जरूरतें कैसे पूरी करता है?

402 दादाजी ने मैट्रिकी के वीजन के विषय में क्या बताया ?

402 किसके अधिकार को मान्यता देनी चाहिए ? और क्यों ( किस्सा बरसाती ताल का पाठ के आधार पर स्पष्ट करें )

402 ' उन्चास मैघ उन्चास पवन ' के माध्यम से कवि का संकेत किस ओर है ?

( 2003 - 20 )

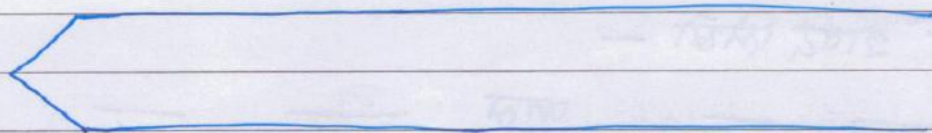
(a) पत्र-लेखन

Q. 1 जन्मदिन के उपहार के लिए चाचाजी को धन्यवाद पत्र

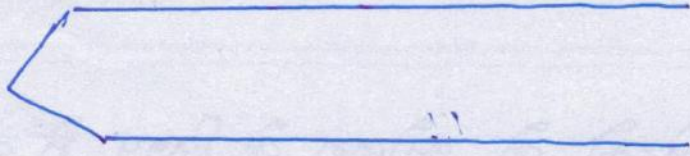
Q. 2 गरमी की छुट्टियों में घर आने का निमंत्रण देने हुए सभी को पत्र लिखें ।

(5) प्रत्येक शब्द के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें

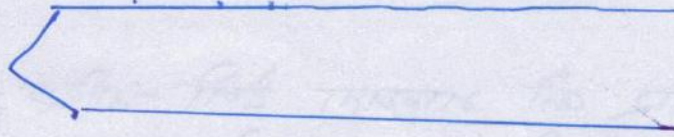
वर



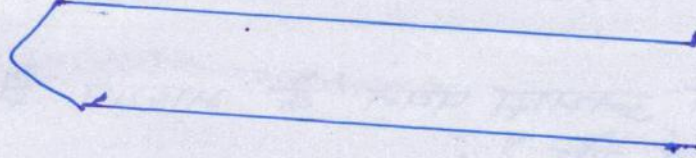
अर्थ



पद



गुरु



⑥ उल्लंघन से शब्द बनाइए

दुर — — — प्र — — —

अ — — — अप — — —

⑦ प्रत्यय से शब्द बनाइए

आई — — — ता — — —

आलु — — — वान — — —

⑧ तत्सम और तदभव शब्द चुनकर लिखिए ।

( प्रयोग, वानर, अशु धरती, पूर्व, रात )

तत्सम — — —

तदभव — — —

⑨ पद्यपिवाची शब्द लिखी -

पैड़ — — — फूल — — —

सूर्य — — — नदी — — —

विभक्त शब्द लिखो

आदर

नया

स्वतंत्र

शांति

पसंद

अंदर